



Vasundhara Tannvi

19 Nov 2000

08:05 PM

Ramgarh

Model: web-freekundliweb

Order No: 119377203

लिंग _____: स्त्रीलिंग
जन्म तिथि _____: 19/11/2000
दिन _____: रविवार
जन्म समय _____: 20:05:00 घंटे
इष्ट _____: 34:59:19 घटी
स्थान _____: Ramgarh
राज्य _____: Bihar
देश _____: India

अक्षांश _____: 23:37:00 उत्तर
रेखांश _____: 85:32:00 पूर्व
मध्य रेखांश _____: 82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार _____: 00:12:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार _____: 00:00:00 घंटे
स्थानिक समय _____: 20:17:08 घंटे
वेलान्तर _____: 00:14:35 घंटे
साम्पातिक काल _____: 00:12:51 घंटे
सूर्योदय _____: 06:05:16 घंटे
सूर्यास्त _____: 17:01:22 घंटे
दिनमान _____: 10:56:06 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन) _____: दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल) _____: दक्षिण
ऋतु _____: हेमन्त
सूर्य के अंश _____: 03:42:20 वृश्चिक
लग्न के अंश _____: 18:51:03 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति _____: मिथुन - बुध
राशि-स्वामी _____: सिंह - सूर्य
नक्षत्र-चरण _____: पू०फाल्गुनी - 1
नक्षत्र स्वामी _____: शुक्र
योग _____: वैधृति
करण _____: गर
गण _____: मनुष्य
योनि _____: मूषक
नाड़ी _____: मध्य
वर्ण _____: क्षत्रिय
वश्य _____: वनचर
वर्ग _____: मूषक
युँजा _____: मध्य
हंसक _____: अग्नि
जन्म नामाक्षर _____: मो-मोहिनी
पाया(राशि-नक्षत्र) _____: ताम्र - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य) _____: वृश्चिक



FUTUREPOINT
Astro Solutions



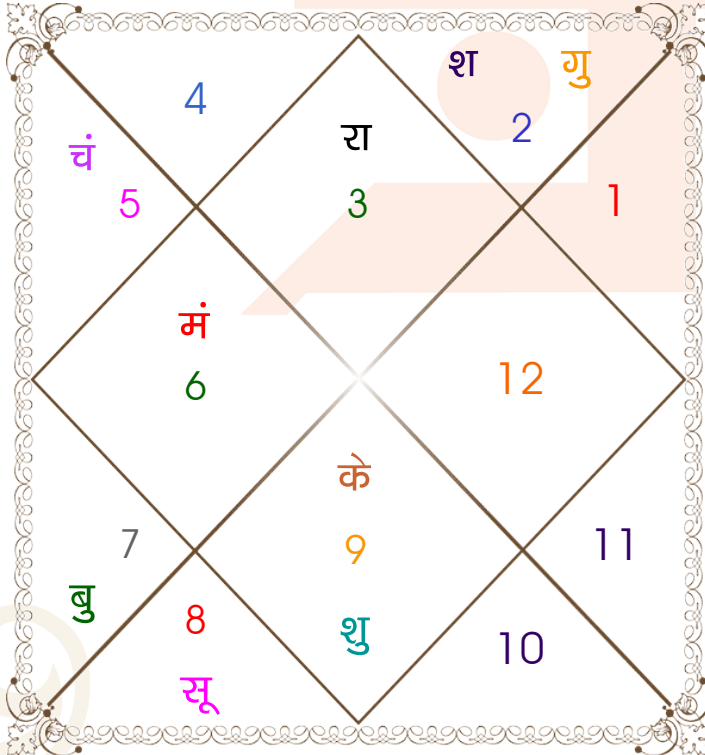
ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	18:51:03	319:24:04	आर्द्रा	4	6	बुध	राहु	चंद्र	---
सूर्य			वृश्चि	03:42:20	01:00:34	अनुराधा	1	17	मंगल	शनि	शनि	मित्र राशि
चंद्र			सिंह	16:09:58	13:49:37	पूर्वाषाढा	1	11	सूर्य	शुक्र	सूर्य	मित्र राशि
मंगल			कन्या	15:39:45	00:36:39	हस्त	2	13	बुध	चंद्र	गुरु	शत्रु राशि
बुध			तुला	15:12:24	01:18:01	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	केतु	मित्र राशि
गुरु	व		वृष	13:26:07	00:07:59	रोहिणी	2	4	शुक्र	चंद्र	राहु	शत्रु राशि
शुक्र			धनु	13:56:06	01:11:40	पूर्वाषाढा	1	20	गुरु	शुक्र	शुक्र	सम राशि
शनि	व		वृष	03:37:10	00:04:54	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	शनि	मित्र राशि
राहु	व		मिथु	22:55:47	00:01:36	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	शनि	उच्च राशि
केतु	व		धनु	22:55:47	00:01:36	पूर्वाषाढा	3	20	गुरु	शुक्र	शनि	उच्च राशि
हर्ष			मक	23:16:31	00:01:13	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	सूर्य	---
नेप			मक	10:16:03	00:01:09	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	चंद्र	---
प्लूटो			वृश्चि	18:17:45	00:02:16	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	बुध	---
दशम भाव			मीन	09:37:54	--	उ०भाद्रपद	--	26	गुरु	शनि	शुक्र	--

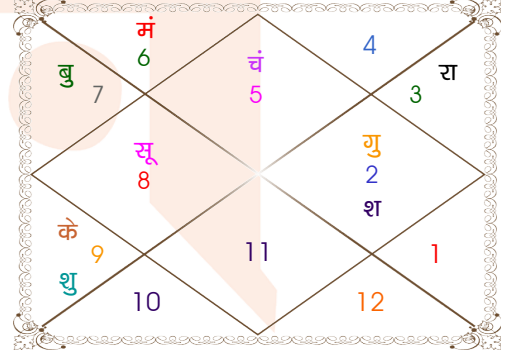
व - वकी स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:51:52

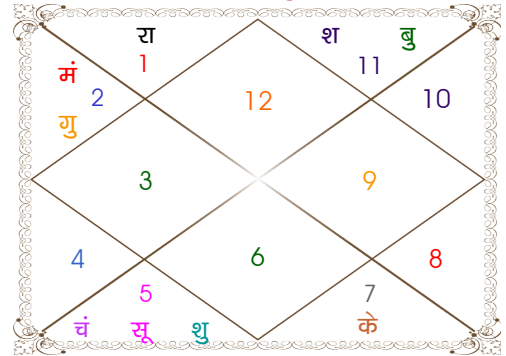
लग्न-चलित



चन्द्र कुंडली



नवमांश कुंडली



FUTUREPOINT
Astro Solutions



विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शुक्र 15 वर्ष 9 मास 0 दिन

शुक्र 20 वर्ष 19/11/2000 20/08/2016	सूर्य 6 वर्ष 20/08/2016 21/08/2022	चंद्र 10 वर्ष 21/08/2022 20/08/2032	मंगल 7 वर्ष 20/08/2032 21/08/2039	राहु 18 वर्ष 21/08/2039 21/08/2057
19/11/2000	सूर्य 08/12/2016	चंद्र 21/06/2023	मंगल 17/01/2033	राहु 03/05/2042
सूर्य 20/12/2000	चंद्र 09/06/2017	मंगल 20/01/2024	राहु 04/02/2034	गुरु 26/09/2044
चंद्र 21/08/2002	मंगल 14/10/2017	राहु 21/07/2025	गुरु 11/01/2035	शनि 03/08/2047
मंगल 21/10/2003	राहु 08/09/2018	गुरु 20/11/2026	शनि 20/02/2036	बुध 19/02/2050
राहु 21/10/2006	गुरु 27/06/2019	शनि 21/06/2028	बुध 16/02/2037	केतु 10/03/2051
गुरु 21/06/2009	शनि 08/06/2020	बुध 20/11/2029	केतु 15/07/2037	शुक्र 10/03/2054
शनि 20/08/2012	बुध 15/04/2021	केतु 21/06/2030	शुक्र 14/09/2038	सूर्य 01/02/2055
बुध 21/06/2015	केतु 21/08/2021	शुक्र 20/02/2032	सूर्य 20/01/2039	चंद्र 02/08/2056
केतु 20/08/2016	शुक्र 21/08/2022	सूर्य 20/08/2032	चंद्र 21/08/2039	मंगल 21/08/2057
गुरु 16 वर्ष 21/08/2057 21/08/2073	शनि 19 वर्ष 21/08/2073 20/08/2092	बुध 17 वर्ष 20/08/2092 22/08/2109	केतु 7 वर्ष 22/08/2109 21/08/2116	शुक्र 20 वर्ष 21/08/2116 00/00/0000
गुरु 09/10/2059	शनि 23/08/2076	बुध 17/01/2095	केतु 18/01/2110	शुक्र 22/12/2119
शनि 21/04/2062	बुध 04/05/2079	केतु 14/01/2096	शुक्र 20/03/2111	सूर्य 20/11/2120
बुध 27/07/2064	केतु 11/06/2080	शुक्र 14/11/2098	सूर्य 26/07/2111	00/00/0000
केतु 03/07/2065	शुक्र 12/08/2083	सूर्य 21/09/2099	चंद्र 24/02/2112	00/00/0000
शुक्र 03/03/2068	सूर्य 24/07/2084	चंद्र 20/02/2101	मंगल 22/07/2112	00/00/0000
सूर्य 20/12/2068	चंद्र 22/02/2086	मंगल 17/02/2102	राहु 09/08/2113	00/00/0000
चंद्र 21/04/2070	मंगल 03/04/2087	राहु 06/09/2104	गुरु 16/07/2114	00/00/0000
मंगल 28/03/2071	राहु 07/02/2090	गुरु 12/12/2106	शनि 25/08/2115	00/00/0000
राहु 21/08/2073	गुरु 20/08/2092	शनि 22/08/2109	बुध 21/08/2116	00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशों के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शुक्र 15 वर्ष 9 मा 8 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म आर्द्रा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में मिथुन लग्न के साथ-साथ मीन के नवमांश युक्त तुला द्रेष्काण में हुआ था। इसकी आकृति से यह स्पष्ट दिखाई देता है कि आप में असंख्य दुर्भावनाओं से युक्त विशेषताएं विद्यमान हैं। आप धार्मिक एवं तीर्थ स्थानों की पर्यटक होंगी। इन्हीं भावनाओं की सहायता से आपकी बहुरंजित अस्तित्व का अति विस्तार होगा। अन्य के सदृश आप में भी बहुत से सकारात्मक एवं नकारात्मक गुण विद्यमान हैं। जिसके फलस्वरूप आपको अपने जीवन के उद्देश्य की प्राप्ति एवं सर्वविद्य संपन्नता प्राप्ति हेतु भगवान की कृपा बहुत दिनों तक सहायक होगी।

आप शारीरिक रूप से दीर्घकाय छरहरा बदन एवं आपकी आंखें आकर्षक हैं। यह प्रमाणित है कि आप विपरीति योनि के सदस्यों के प्रति प्रसिद्धि प्राप्त करेंगे। अर्थात् कामुक की श्रेणी में आपका नाम होगा। आप स्वभावतः वासनामय कार्यों के अगुआ के रूप में मशहूर होंगी। यह कार्य आपके लिए व्ययकारी प्रमाणित होगा। अतः आप इस प्रकार की विचारधारा के प्रति विमुख हो जाएं अन्यथा यह प्रवृत्ति आपके स्वास्थ्य तथा पारिवारिक जीवन हेतु प्रभावशाली तथा अनुपयुक्त होगा।

आप निसंदेह कुशग्र बुद्धि की स्पष्ट रूपेण महत्वकांक्षी हैं। यदि कोई आपके कार्यों में बाधा उत्पन्न करता है, तो स्थायी रूपेण आप व्यक्तिगत तौर पर उसके पीछे पड़ कर उसे परेशानी करने की प्रवृत्ति को प्रतिकूल नहीं कर पाती। आप एक कार्य को बदल कर अन्य पेशा-व्यवसाय की ओर प्रवृत्त हो जाती हैं तथा आशापूर्वक कार्यारंभ कर देती हैं। परंतु यह प्रमाणित हो सकता है कि आपके विरोध में उत्पादन क्षमता प्राप्त कोई अन्य व्यक्ति लाभ प्राप्त नहीं कर सकता है। आपके लिए यह उत्तम सबक के संबंध में सावधानी पूर्वक विचार करना चाहिए तथा इसके बाद गंभीरता पूर्वक अध्ययन परिवर्तित नया कार्य व्यवसाय को कार्य रूप देना चाहिए। तत्पश्चात् आपको परिष्कृत संतोषजनक लाभांश प्राप्त करना चाहिए।

परंतु मिथुन राशि लग्न के प्रभाव से आप बिना विराम लिए ही अबाध गति से परिणाम प्राप्त करने की आकांक्षी हैं। तत्पश्चात् आप किसी कार्य व्यवसाय को नियतकर, अपनी योजना का श्री गणेश (शुभारंभ) कर के अति व्यग्रता पूर्वक शीघ्र ही कार्य का उपयुक्त परिणाम प्राप्त करना चाहती हैं।

आप अच्छी तरह यह जानती हैं कि ऐसा संभव नहीं है तथापि आप शीघ्र ही धन का उपयोग करती हैं। परिणामस्वरूप आप अनेकों कार्यों को अर्द्ध मात्रा में करके अन्य योजना के प्रति आशान्वित होती हैं। परिणामस्वरूप आप अपेक्षित लाभ नहीं प्राप्त कर पाती हैं। इस प्रकार की धारण को बिना परिवर्तित किए अन्य कोई मार्ग नहीं है तथा आप बिना एकाग्रता के मनोवांछित कर्म/व्यवसाय किसी भी प्रकार से हस्तगत नहीं कर सकती हैं। आपके लिए यह मंत्र ग्रहण करना नितांत आवश्यक है कि आप अपनी उत्तेजना पर नियंत्रण रखें। अन्यथा आपको व्यक्तिगत रूप से मूर्खता करने का परिणाम भुगतना होगा। आप धैर्यपूर्वक पीछे से पुनः अपनी पूरी शक्ति का प्रयोग कर अपनी प्रभुता को कायम रखेंगी। इस प्रकार आपके शुभचिंतक एवं

मित्रगण आपको सहयोग देने अथवा उचित पुरस्कर प्रदान करने लगेगी।

आपकी आयुवृद्धि के अनुसार आपका स्वास्थ्य भी अनुकूल हो सकता है। आप, गले के संक्रमण, कफ, दमा गलगंड स्वरभंग रोगादि के प्रति उदासीन रहेंगी। अतः आप धूम्रपान की अपनी आदतों में वृद्धि न करें।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है। आपके लिए उपयुक्त अंक 5 एवं 7 अंक अनुकूल एवं प्रभावक अंक है। परंतु अंक 4 एवं 8 अंक आपके लिए अनुकूल नहीं, प्रतिकूल हैं।

आपके लिए रंग पीला, ब्लू बैंगनी एवं हरा रंग अनुकूल हैं। जबकि रंग काला एवं लाल रंग सर्वथा त्याजनीय हैं।

